[This question paper contains 02 printed pages]
इस प्रश्न पत्र में 02 मुद्रित पृष्ठ हैं

Roll Number / रोल नंबर: _____

HPAS Etc. Combined Competitive (Main) Examination, 2019

हि.प्र.प्र.से.आदि संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2019

Indian History-I / इंडियन हिस्ट्री-I

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 100

अनुगत समय: 3 घंटे | अधिकत्तमअंक: 100

Note / नोट:

1. This question paper contains total eight questions.
   इस प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
2. *Attempt any five questions including compulsory question No.1.*
   अनिवार्य प्रश्न नंबर 1 सहित किन्हीं पांच प्रश्नों केउत्तरदीजिये।
3. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के अंकों को विभाजित कर प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरूद्ध इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
4. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
5. *Re-evaluation / Re-checking of answer book is not allowed.*
   उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. Many Indian Historians have claimed that the so called Indo-Aryans had not arrived from Central Asia but had Indian origins, and, most probably, they had connections with Indus Valley Civilization. What would you be your opinion into such claims? (20)
   अनेकभारतीय इतिहासकारों कादावा है कि तथाकथित इंडो-आर्यनलोगमध्य एशिया से नहीं आए, अपितुअधिकसम्भावनाइसबातकीलगतीहैकीउनकेसिंधुघाटीसभ्यतासेसम्बन्धथे।ऐसेदावोंकेऊपरआपकी क्यारायहोगी?

2. "Buddhism was a social-spiritual revolution against the Brahman Dharma." What do you think? (20)
   "बौद्ध धर्म ब्राह्मण धर्म के विरुद्ध एक सामाजिक - आध्यत्मिक क्रांति था"। आप क्या सोचते हैं?

3. Account for the fall of the Mauryan empire. How would you place the Mauryan era in Indian History.? (20)

मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण बतलाइये।आप मौर्य युग को भारतीय इतिहास में क्या स्थान देंगे?

4. Some historians have claimed that the Gupta period was the 'golden age' of Indian history. Write a critical commentary on such claims. (20)

कुछ इतिहासकारों का दावा है की गुप्त काल भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग था। ऐसे दावों पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

5. "The so called Indian feudalism was largely different from the feudal systems found in medieval Europe, and cannot be called feudalism in the strict sense of term." (Harbans Mukhiya). Discuss this statement in the context of the whole debate on Indian feudalism. (20)

"तथाकथित भारतीय सामंतवाद मध्यकालीन यूरोप में पाई जाने वाली सामंती व्यवस्थाओं से भिन्न था और इसे कड़े अर्थों में सामंतवाद नहीं कहा जा सकता" हरबंस मुखिया। भारतीय सामंतवाद पर मौजूद तमाम बहस के सन्दर्भ में इस वक्तव्य की विवेचना कीजिये।

6. What do you know about the historical accounts of Alberuni about Indian society? What is the importance of his accounts for knowing the conditions of the lower orders of Indian society in medieval times? (10+10)

भारतीय समाज के बारे में अलबरूनी के ऐतिहासिक वृतांतों के बारे में आप क्या जानते हैं? मध्यकालीन युग में भारतीयसमाज के निचले समूहों की स्थितियों को जानने हेतु इन वृतांतों का क्या महत्व है?

7. "There was an economic vision behind the agrarian and economic measures of Alauddin Khilji." Write an historical commentary on this account. (20)

"अल्लाउद्दीन खिलजी के कृषीय एवं आर्थिक सुधार कदमों के पीछे एक आर्थिक दृष्टि थी"। इस वक्तव्य पर एक ऐतिहासिक टिप्पणी लिखिए।

8. "Kabir, Raidas and Nanak were the most radical saints of Bhakti movement in medieval India." Comment critically giving instances from the poetry of the three stalwart saints.

कबीर, रैदास एवं नानक मध्यकालीन भारत में भक्ति आंदोलन के अति क्रांतिकारी संत थे। तीनों बड़े संतों के काव्य से उदाहरणदेते हुए आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिये।

*****